बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग परिचय - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम संस्करण, जनवरी - २००१

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''स्वामिनारायण खुदा हो तो भले ही राज्य ले लें ।'' (८३)

२. ''यदि आप धैर्य नहीं रखेंगे तो किसी को भी धैर्य नहीं रहेगा ।'' (१६१)

३. ''यह जगह मेरी है, बिना मेरी आज्ञा के मेरा छोटा भाई तो क्या मेरी पत्नी भी किसी को यहाँ नहीं ठहरा सकती ।'' (१४५)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. दीनानाथ भट्टजी के अन्त:चक्षु खुल गए । (७८)

२. पटेल ने बहुत मेहनत की किन्तु बैल आगे नहीं चले । (४७)

३. शोभाराम अंधा हो गया । (६८)

प्र.३ ''अपना वृतान्त ।'' (११५) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. डभाण में महाराज जनयात्रा निकालकर घूमे तब निष्कुलानन्द स्वामी ने कौन सा पद रचा ? (६२)

२. धोलेरा मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा कब हुई ? (१४२)

३. याचक ब्राह्मण को घोड़ा देकर महाराज ने काठियों को क्या कहा ? (३४)

४. अकाल के समय में दादा खाचर के कमरों को क्या क्या नाम दिये गये थे ? (८४)

५. समाधि में दीक्षा देकर शीतलदास का क्या नाम रखा गया ? (४)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज को कोन कोन से अंग्रेज मिले थे ? (९९, १२९, १५२)

(१) ☐ बिशप हेबर (२) ☐ डनलप

(३) ☐ विलियम बेन्टिक (४) ☐ सर जान माल्कम

२. श्रीजीमहाराज ने किन-किन गाँवों में मन्दिर बनाए ? (१२२, १४७)

(१) ☐ कारीयाणी (२) ☐ गढ़डा

(३) ☐ भुज (४) ☐ पंचाला

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. ..... को भगवान की गद्दी खाली देखने में आई । (९१)

२. सारंगपुर में मंदिर बनवाने के लिए पत्थर की आवश्यकता पड़ेगी, उसके लिए ..... की अनुमति लेनी पड़ेगी । (१३६)

३. सूबेदार ने महाराज को ..... दरवाजे से अहमदाबाद शहर के बाहर निकलने को कहा । (५७)

४. ..... ने महाराज को सेवा का हिस्सा दिया । (७१)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''ब्रह्मचारी के जोड़ीदार तो पहले से ही तय हैं ।'' (२७)

२. ''महाराज और स्वामी तुम्हारे काम में सहायता करेंगे और सुखी करेंगे ।'' (६४)

३. ''इस नीम के नीचे भगवान बैठेंगे ।'' (३७)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. ग्वालियर के गवैये मुग्ध हो गये । (१६)

२. प्रेमानन्द स्वामी ने भजन की रचना की 'माणकीए चढ्या रे मोहन वनमाली.....' (४९)

प्र.९ ''अक्षरपुरुषोत्तम उपासना प्रवर्तन में कृष्णजी अदाश्री पर आई हुई उपाधियाँ ।'' (६९) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है।

निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महिना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. अयोध्याप्रसादजी महाराज किसके पुत्र थे ? (३२)

२. सीढ़ी पर सोये हुए बालक को देखकर महाराज ने क्या किया ? (१२)

३. लाडुबा को शास्त्र की बात में संशय हुआ तब महाराज ने क्या कहा ? (४७)

४. मूलजी ब्रह्मचारी महाराज को सिंहासन सहित कहाँ से उठाकर कहाँ ले आए ? (२४)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : विद्यावारिधि सद्गुरु नित्यानंद स्वामी । (४)

१. श्रीजीमहाराज ने उन्हें बहुत समझाया परन्तु नित्यानन्द स्वामी तो अपनी निष्ठा में हिमालय की तरह अडिग थे । **२.** अन्त में श्रीजीमहाराज ने उन्हें दुराग्रही कह कर विमुख कर दिया । **३.** नित्यानन्द स्वामी के मतानुसार सारे सन्त सहमत हो गए, लेकिन श्रीजीमहाराज नित्यानन्द स्वामी के मत से विरुद्ध थे । **४.** अधिकांश परमहंसों ने श्रीजीमहाराज की तुलना राम और कृष्ण के अवतारों से की । **५.** विमुख होकर भी नित्यानन्द स्वामी सभा में आते थे । **६.** आठवें दिन श्रीजीमहाराज ने नित्यानन्द स्वामी को सभा में बुलवाया और उनकी पूजा की । **७.** जब वरताल में 'हरिलीलाकल्पतरु' ग्रंथ लिखा जा रहा था, तब श्रीजीमहाराज के दिव्य स्वरुप के विषय में प्रश्न खड़ा हुआ । **८.** श्रीजीमहाराज को परमहंसों ने समझाया : नित्यानन्द स्वामी की निष्ठा सच्ची है । **९.** आप सभी इसी प्रकार मेरे स्वरूप की उपासना करना । **१०.** नित्यानन्द स्वामी ने कहा, श्रीजीमहाराज इस लोक में श्रीकृष्ण के भक्त हैं, लेकिन अक्षरधाम में सर्वोपरी हैं । **११.** नित्यानन्द स्वामी को श्रीजीमहाराज के सर्वोपरि स्वरुप में दृढ़ निष्ठा थी । **१२.** नित्यानन्द स्वामी ने गुणातीतानन्द स्वामी के साथ रहकर शास्त्रार्थ करके सम्प्रदाय की प्रतिष्ठा विद्धानों के बीच बहुत बढ़ाई ।

केवल सही क्रमांक	☐	☐	☐	☐	☐	☐	**सभी उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।**
यथार्थ घटनाक्रम	☐	☐	☐	☐	☐	☐	**घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **स्वामी जागा भक्त :** जागा भक्त ने कृष्णजी अदा द्वारा आचार्य श्री विहारीलालजी महाराज को सन्देश भिजवाया, 'आप यदि अक्षरपुरुषोत्तम की युगल मूर्ति को स्थापित करें और अक्षरपुरुषोत्तम की महिमा का गान करनेवाले ग्रन्थ करवायेंगे तो महाराज आपको दो महापुरुष जैसे पुत्र देंगे ।' (५१)

२. **श्रीकृष्णजी अदा :** मेवासा के शंकर महाराज के पुत्र मेघजीभाई को आचार्य महाराज ने दीक्षा लेकर साधु होने के लिए कहा । (६५)

३. **मुकुन्दानन्दवर्णी :** श्रीजीमहाराज ने मुकुन्दानन्दवर्णी को कहा, 'आज से आप उपवीत धारण मत करना और नमकवाला अन्न मत खाना ।' (२३)

४. **भक्तराज लाडुबा :** लाडुबा ने श्रीजीमहाराज के लिए हरजी ठक्कर के पास से १०० रुपये की गाय ली । (४५)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । **[१०]**

१. टीनएज संतान और माता-पिता ।

२. सुख-दुःख में स्थिरता रखने का श्रेष्ठ उपाय - कर्ताहर्ता की समज ।

३. परिवार की एकता : कोर्ट में या समजदारी में ?

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

❋ ❋ ❋